"स्वच्छ भारत" "स्वच्छ गढ़वाल" अभियान

चारधाम यात्रा २०१९ मे आने वाले हर यात्री को स्वच्छता का सन्देश देने हेतु "स्वच्छ भारत" "स्वच्छ गढ़वाल" अभियान की शुरुवात ५ जून २०१९, विश्व पर्यावरण दिवस पर करी जा रही है। स्वच्छ गढ़वाल अभियान का उद्देश्य केवल आसपास की सफाई करना ही नहीं है अपितु नागरिकों की सहभागिता से अधिक-से अधिक पेड़ लगाना, कचरा मुक्त वातावरण बनाना, शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराकर एक स्वच्छ गढ़वाल का निर्माण करना है। यह अभियान ना केवल नागरिकों को स्वच्छता संबंधी आदतें अपनाने बल्कि हमारे देश की छवि स्वच्छता के लिए तत्परता से काम कर रहे देश के रूप में बनाने में भी मदद करेगा।

इस अभियान को प्रारंभ करते हुए दिनाक ५ जून २०१९ को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में चारधाम मार्गो पर पूर्ण गढ़वाल मंडल के सभी सातों जनपदों मे आई0डी0आई 0पी0टी, ए0डी0बी, पर्यटन विभाग द्वारा वृहद स्तर पर सफाई एवं स्वच्छता कार्यक्रम किया जायेगा। इसमें जिला स्तरीय अधिकारी, स्वयं सहायता समूह, छात्र छात्राएं, पुलिस, पर्यटक, विद्यार्थियों, तीर्थयात्री व सभी विभाग शामिल होंगे। नगर आयुक्त स्वछता कार्यक्रम हेतु सभी निकाय अपने क्षेत्र का सबसे गन्दगी वाला स्थान चिन्हित कर उसे स्वच्छ बनायेगे और यह भी सुनिश्चित करेंगे की यह स्थान दुबारा कभी गन्दा ना बने। समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं अन्य लोग उस स्थल पर उपस्थित होकर स्वछता कार्यक्रम में भाग लेंगे।

आई 0डी0आई 0पी0टी, ए0डी0बी, पर्यटन विभाग के पैनल NGO द्वारा ट्रांचे दो और ट्रांचे तीन के सभी प्रशिक्षित स्थानीय समुदाय, स्वयं सहायता समूह द्वारा भी इस अभियान मे भाग लिया जायेगा।

"स्वच्छ भारत" "स्वच्छ गढ़वाल" "स्वच्छ जनपद" "स्वच्छ निकाय" को सफल बनाने हेतु जनप्रतिनिधि एवं जनता की सहभागिता को भी सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित कार्य किये गए है

1) सर्वप्रथम समस्त जिलाधिकारी, गढ़वाल मंडल, अपने अधीनस्थ, समस्त मुख्य विकास अधिकारी , समस्त अध्यक्ष /अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका /नगर पंचायत, अध्यक्ष ,जिला पंचायत/अपर मुख्य अधिकारी , जिला पंचायत अधिकारी , खंड विकास अधिकारी गढ़वाल मंडल के साथ "स्वच्छ भारत" "स्वच्छ गढ़वाल" की एक बैठक आहूत कर दिनाक ५ जून २०१९ को वृहद सफाई अभियान के अंतर्गत करने वाले कार्यो की कार्ययोजना तैयार करी गयी हैं।

2) प्रत्येक नगर निकाय एवं ग्राम पंचायत मे एक स्वच्छता समिति का गठन किया गया है जिसमे सम्बंधित निकाय की स्वच्छता के प्रति जागरूक लोग एवं एक नोडल अधिकारी हैं।

3) नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी होगी की गावों में स्वच्छता सम्बन्धी कार्य सुचारु रूप से निष्पादित किया जा रहा हैं या नहीं।

4) सम्पूर्ण जनपद को सेक्टरों में बाटकर प्रत्येक सेक्टर में एक सेक्टर मजिस्ट्रेट नामित होगा जिसकी जिम्मेदारी सेक्टर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराएँगे।

अभियान को और रोचक बनाने के लिये गढ़वाल के हर जिले के बीच प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। विजेता जिला चुनने के लिए, निम्नलिखित तालिका का मसौदा तैयार किया गया है:-

मानदंड 1.

1	2	3	4	5	6
जिले के कितने अधिकारियों ने स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया है	जिला स्तर पर इस कार्यक्रम के लिए कोई बैठक आयोजित की गई थी	अगर हाँ तो कितनी ?	क्या इस कार्यक्रम के लिए के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था ?	क्या इस कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए, जिले को सेक्टरों में विभाजित किया गया था	ग्रामपंचायत स्तर (शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, सहकारी, कृषि, हॉर्टी, राजस्व के कितने सदस्य ने कार्यक्रम मे प्रतिभाग किया गया।

मानदंड 2: सार्वजनिक भागीदारी:

1	2	3	4	5
क्या नगरपालिका परिषद के कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम मे भाग किया गया।	यदि हां तो कितनी संख्या मे।	क्या गांव एवम कस्बे स्तर पर स्वच्छता समिति का गठन किया या नहीं?	यदि हां तो कुल कितनी समिति	कार्यक्रम में कुल कितने लोगों ने भाग लिया था

मानदंड 3: एकत्रित कचरे का निपटान:

कचरे का निपटान कैसे किया गया	

मानदंड 4: स्वच्छ गढ़वाल अभियान की स्थिरता के लिए योजना

1	2	3	4
क्या कचरे के निपटान के लिए उचित योजना बनाई गई थी	क्या यह निर्णय लिया गया है कि गांवों की दैनिक सफाई कौन करेगा	क्या किसी सफाई कर्मचारी की प्रतिनियुक्त किया गया है?	क्या ग्रामीणों से उपयोगकर्ता शुल्क तय किया गया है।

5 जून के कार्यक्रम समाप्त होने के एक सप्ताह के भीतर गढ़वाल जिले के सातों जिलों को उपरोक्त रिपोर्ट फ़ोटो एवम वीडियो के साथ आयुक्त गढ़वाल के कार्यालय मे प्रेषित की जायेगी । प्रतिस्पर्धा जीतने वाले पहले तीन जिलों को राज्य स्थापना दिवस के मौके पर माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा विशेष पुरुस्कृत किया जाना है।